भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 A

पेट्रार्क – इटली के फ्लोरेंस नगर का निवासी पेट्रॉर्क, पुनर्जागरण कालीन एक महान विचारक एवं साहित्यकार था।
इसे मानवतावाद का जनक कहा जाता है।

1 B

वर्साय की संधि – प्रथम विश्व-युद्ध की समाप्ति पर जर्मनी एवं मित्र राष्ट्रों के बीच हुई।
परिणाम – जर्मनी को भारी आर्थिक एवं भौगोलिक नुकसान उठाना पड़ा।

1 C

रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख, गुजरात के गिरनार पर्वत से प्राप्त हुआ है।
विशेषता – सबसे प्राचीन संस्कृत अभिलेख
विषय – रुद्रदामन की विजय, वंशावली एवं सुदर्शन झील के पुनरुद्धार का विवरण।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet) | भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी सफलता का प्रवेश द्वार...

1 D

अरविद् राजवंश - तालीकोटा युद्ध के बाद रामराय के भाई तिरुमाल ने 1570ईस्वी में सदाशिव को पदच्युत कर, विजयनगर के राजसिंहासन को हस्तगत कर लिया और अरविदु वंश की नींव डाली।

1 E

अंग्रेज गवर्नर लार्ड मैकाले भारत में आधुनिक शिक्षा का जनक माना जाता है।

1 F

ऑपरेशन पोलो भारत पाकिस्तान युद्ध के समय पाकिस्तान के विरुद्ध चलाया गया।

1 G

पूना पैक्ट/पूना समझौता

- डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं महात्मा गाँधी के बीच

समय- ~~मार्च~~ ~~1932~~ 26 सितम्बर 1932

प्रावधान- हरिजनों के लिए राज्य विधानमंडल हेतु आरक्षित सीटों की संख्या

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

में प्रसिद्ध

1 H

वल्लभ भवन

भोपाल स्थित वल्लभ भवन, मध्य प्रदेश शासन का सचिवालय है। सभी महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय यहीं से लिए जाते है।

1 I

आदमगढ़ - मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले से प्राप्त आदमगढ़ एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है।
यहाँ से भारतीय उपमहाद्वीप में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं।

1 J

रानी दुर्गावती के वंशज 'शंकरशाह' एवं रघुनाथ शाह' ने 1857 की क्रांति में भाग लिया। अंग्रेजों ने इन्हें जबलपुर में तोप के मुँह से बाँधकर उड़ा दिया।

Scanned with CamScanner

④

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी सफलता का प्रवेश द्वार..

1 K

कवि पद्माकर - रीतिकालीन कवि पद्माकर का ~~संबंध~~ जन्म मध्यप्रदेश के सागर में 1853 मे हुआ था।

रचनाएँ . प्रबोध पचास, राम रसायन गंगालहरी आदि

1 M

मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद्

स्थापना - 1980 ई०

कार्य - आदिवासी लोक कला का संरक्षण एवं संवर्द्धन

1 N

कुमार गंधर्व सम्मान

स्थापना - 1992-93

प्रदाता - मध्यप्रदेश शासन

क्षेत्र - संगीत के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्ट युवा प्रतिभा को।

1 O

मध्यप्रदेश इको पर्यटन बोर्ड

स्थापना - भोपाल में

उद्देश्य - पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहित करना

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार–

2 A

1789 ईस्वी में हुई फ्रांसीसी में विचारकों का महत्वपूर्ण योगदान निम्नानुसार है –

मॉन्टेस्क्यू – इसने विधि की आत्मा नामक पुस्तक में 'शक्ति के पृथक्करण' का सिद्धांत दिया। एवं जीवन, स्वतंत्रता तथा संपत्ति पर मनुष्य का जन्म सिद्ध अधिकार बताया।

वाल्टेयर – इसने अपने लेखों में चर्च की कटु आलोचना की। जिससे फ्रांस में हलचल मच गयी।

जीन-जैक्स-रूसो – इसने 'सामाजिक समझौता' नामक अपनी पुस्तक में लिखा कि "मनुष्य स्वतंत्र जन्म लेता है, किंतु सर्वत्र जंजीरों में जकड़ा रहता है।"

उपरोक्त के अलावा दिदरो, हैल्वेशियस, क्वेसेन, हालबाख आदि के विचारों ने जनता के मस्तिष्क को झकझोर दिया।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 B

वह आर्थिक एवं शिल्प वैज्ञानिक विकास जो 18वीं सदी में और अधिक तीव्र एवं सशक्त हो गया तथा जिसके परिणाम स्वरूप आधुनिक उद्योगवाद का जन्म हुआ उसे ही औद्योगिक क्रांति कहा जाता है।

औद्योगिक क्रांति के इंग्लैंड में शुरू होने के कारण-

भौगोलिक कारक

प्राकृतिक बंदरगाह की उपस्थिति अत: आयात-निर्यात में आसानी

कोयला एवं लौह अयस्क के पर्याप्त भंडार

आर्थिक कारण

पूँजी की उपलब्धता

कच्चा माल प्राप्त करने एवं तैयार माल की खपत हेतु उपनिवेशों का

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

~~राजनैतिक~~

राजनैतिक कारण

↓ आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा

↓ सशक्त नौसैनिक शक्ति

~~[illegible]~~ सामाजिक कारण

1) कृषि क्रांति से बेरोजगार हुए लोग सस्ते मजदूरों के रूप में उपलब्ध थे।

2) जनसंख्या वृद्धि से वस्तुओं की माँग में बढ़ोत्तरी।

स्पष्ट है कि इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति हेतु पर्याप्त अनुकूल माहौल था।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

⑦

2 C

अभिलेख एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्त्रोत है जिससे इतिहास विशेषकर प्राचीन इतिहास के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

इतिहास निर्माण में अभिलेखों का महत्व

(i) ये किसी राज्य अथवा राजा के समकालीन होते हैं अतः वस्तुगत जानकारी प्राप्त होती है।

(ii) ~~इससे~~ इनसे तत्कालीन राजनीतिक एवं सामाजिक स्थिति की जानकारी प्राप्त होती है।

(iii) ये राज्य की सीमाओं एवं राजा के व्यक्तित्व के विषय में सटीक जानकारी देते हैं।

(iv) इनसे प्राप्त ~~तथ्य~~ तथ्य अधिक सटीक होते हैं क्योंकि इनमें लेखक या कवि की भावना का स्थान नहीं होता है।

अंत में 'डॉ० रमेश चंद्र मजूमदार' का कथन उल्लेखनीय है कि "अभिलेख समसामायिक होने के कारण विश्वसनीय प्रमाण हैं उनसे हमें इतिहास निर्माण में सबसे अधिक सहायता मिलती है।"

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 D

सिकंदर ने 326 ई० पू० में खैबर दर्रे को पार कर भारत में प्रवेश किया। यह भारत पर प्रथम यूनानी आक्रमण था। इसके भारत पर दूरगामी प्रभाव पड़े, जो निम्नानुसार हैं

(i) भारत को यूरोप के निकट आने का अवसर प्राप्त हुआ।

(ii) पश्चिमोत्तर भारत के छोटे-छोटे राज्यों का एकीकरण हुआ।

(iii) यूनानियों ने सर्वप्रथम मुद्रा निर्माण की कला का विकास किया।

अंततः यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के एक स्थानीय शासक पोरस द्वारा सिकंदर का वीरतापूर्वक सामना किये जाने से विश्व में भारत की शक्ति एवं वीरता परिचय हुआ।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 F

बंग-भंग आंदोलन

यह आंदोलन वर्ष 1905 में ईस्वी में बंगाल विभाजन के विरुद्ध चलाया गया।

लार्ड कर्जन ने 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल विभाजन को क्लीयर किया, परंतु उससे पूर्व ही पूरे बंगाल में इस विभाजन का विरोध होना शुरू हो गया जिसे बंग-भंग आंदोलन कहा जाता है।

16 अक्टूबर को पूरे बंगाल में शोक दिवस मनाया गया। एवं इसी समय स्वदेशी एवं बहिष्कार आंदोलन चलाया गया।

इसी समय स्वदेशी आंदोलन को चलाने के लिए 'बांधव समिति' का गठन किया गया जो हिंदू-मुस्लिम एकता की प्रतीक थी। हिंदू-मुस्लिमों ने एक-दूसरे की कलाइयों पर राखी बाँधी।

बंग-भंग आंदोलन के परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार को सन् 1911 ईस्वी में 'बंगाल विभाजन' रद्द करना पड़ा।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार-

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 (a)

आर्य समाज की स्थापना सन् 1875 ई० में बंबई में स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा की गयी।

आर्य समाज का भारतीय पुनर्जागरण निम्नांकित योगदान है-

धार्मिक सुधार कार्य - मूर्ति-पूजा, कर्मकांड, बलि प्रथा, एवं भाग्यवाद का विरोध किया। साथ ही वेदों की श्रेष्ठता का दावा किया।

सामाजिक सुधार कार्य - बाल-विवाह, सती प्रथा, पर्दा-प्रथा, जाति प्रथा, बहु-विवाह आदि का विरोध किया एवं स्त्री-शिक्षा, अंतर्जातीय विवाह एवं विधवा विवाह का समर्थन किया।

अन्य कार्य

हिंदी साहित्य को समृद्ध एवं संस्कृत साहित्य को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया। सत्यार्थ प्रकाश (स्वामी दयानंद सरस्वती) में विवाह, शिक्षा, शिशु-प्रजनन एवं ईश्वर तथा सरकार आदि पर चर्चा कर जनजागृति लाने का कार्य किया।

Scanned with CamScanner

2 M

खजुराहो के मंदिर

यूनेस्को की विश्व-धरोहर सूची में शामिल खजुराहो के मंदिर, मध्य-प्रदेश के छतरपुर जिले में अवस्थित है।

निर्माण - 950 ईस्वी से 1050 ईस्वी के मध्य चंदेल राजाओं द्वारा।

इन मंदिरों का निर्माण ऊँची चौकियों पर लाल-बलुआ पत्थर से किया है। यहाँ के मंदिरों में कंदरिया महादेव मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, दशावतार मंदिर, चौसठ योगिनी मंदिर आदि उल्लेखनीय मंदिर हैं।

इन मंदिरों में रतिक्रीड़ाएँ निष्कपट जान पड़ती है।

उपरोक्त शैव, वैष्णव एवं जैन धर्म से संबंधित मंदिर मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं अतः सरकार प्रतिवर्ष यहाँ खजुराहो उत्सव का आयोजन करती है।

KAUTILYA ACADEMY

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 21

आजादी के अंतिम स्वतंत्रता संघर्ष भारत छोड़ो आंदोलन में ~~मध्य~~ मध्यप्रदेश की भूमिका निम्नानुसार है -

9 अगस्त 1942 को जबलपुर में स्थानीय नेताओं ने एक सप्ताह की पूर्ण हड़ताल का निश्चय किया। आंदोलनकारियों ने जुलूस निकाले, टेलीफोन तार काटे एवं रेल की पटरियाँ उखाड़ दी।

उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, शाजापुर भिंड एवं मुरैना में महात्मा गाँधी के 'करो या मरो' के नारे से प्रभावित होकर लोगों ने अपने आपको स्वतंत्रता के यज्ञ में झोंक दिया।

रीवा में इसी समय 'चावल सत्याग्रह' हुआ।

बैतूल के घोड़ाडोंगरी में विष्णुसिंह गोंड के नेतृत्व में आदिवासियों ने कई दिनों तक इलाके पर कब्जा बनाकर रखा। इसी समय पुलिस की गोलीबारी में बिरसा मुंडा शहीद हो गये।

इस प्रकार यह आंदोलन पूरी ऊर्जा के साथ प्रदेश में प्रवाहित हुआ।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

2 J

मध्य-प्रदेश में भित्ति चित्रकला के आयाम निम्नानुसार हैं:-

ऐतिहासिक भित्ति चित्र

(i) भीमबेटका की दीवारों पर प्रागैतिहासिक कालीन भित्ति चित्र हैं। ये चित्र आदि मानव की दैनिक दिनचर्या को प्रदर्शित करते हैं।

(ii) बाघ की गुफाओं (इंदौर के निकट) एवं भृतहरि की गुफाओं (उज्जैन) में भी भित्ति चित्र अंकित हैं।

लोक भित्ति चित्र

मालवा में संजा की आकृति बनायी जाती है।

बुंदेलखंड में देव-प्रबोधनी एकादसी पर भित्ति चित्र बनाये जाते हैं।

स्पष्ट है कि मध्य-प्रदेश भित्ति-चित्रकला से समृद्ध है।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार-

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 K

मध्य-प्रदेश के 5 प्रमुख सांस्कृतिक समारोह

क्र०	समारोह	स्थान/शुरुआत	विशेष
1	कालिदास समारोह	उज्जैन 1977	विश्व भर के संस्कृत विद्वान सम्मिलित होते हैं।
2.	तानसेन समारोह	ग्वालियर	शास्त्रीय संगीत के मूर्धन्य कलाकार उपस्थित होते हैं। यहीं प्रतिवर्ष तानसेन सम्मान प्रदान किया जाता है।
3.	खजुराहो नृत्य समारोह	खजुराहो (छतरपुर) (1976)	कुचिपुडी, कत्थक, ओडिसी भरतनाट्यम, मणिपुरी एवं मोहिनी अट्टम आदि नृत्य के कलाकार उपस्थित होते हैं।
4.	मध्य प्रदेश लोक कला समारोह	विभिन्न स्थानों पर	लोककलाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है।
5.	अलाउद्दीन खाँ समारोह	मैहर	बाबा अलाउद्दीन खाँ (संगीतकार) की स्मृति में मनाया जाता है।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 A

द्वितीय विश्व युद्ध जो कि 1939 से 1945 के बीच लड़ा गया। इस के लिए अनेक कारण जिम्मेदार थे जो ~~वर्साय~~ करीब दो-दशकों से पनप रहे थे। ~~इन~~ इन कारणों को संक्षेप में निम्नानुसार समझा जा सकता है-

एवं अन्य संधियों

(i) वर्साय की संधि से उत्पन्न रोष -

वर्साय की संधि से जर्मनी का अधिकांश हिस्सा पोलैंड को दे दिया गया था। बल्कान प्रांतों को अंग-भंग कर दिया गया था। ऑस्ट्रिया हँगरी को अंग-भंग कर छोटा कर दिया गया था।

उपरोक्त व्यवस्थाओं से द्वेष एवं रोष की भावना पनप रही थी। यही कारण है कि फास मतोदय ने इसे प्रतिशोधात्मक युद्ध कहा था।

(ii) दो विरोधी विचारधाराओं में संघर्ष :-

द्वितीय विश्व-युद्ध से पूर्व तानशाही विचार धारा का नेतृत्व जर्मनी एवं जापान कर रहे थे वहीं दूसरी ओर जनतंत्र विचारधारा

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

के समर्थक इंग्लैंड, अमेरिका और फ्रांस थे।

(iii) नवीन विचारधाराओं का उदय

इटली में फासीवाद, जर्मनी में नाजीवाद, एवं रूस में साम्यवाद की विचारधाराओं ने यूरोप में खलबली मचा दी।

(iv) जर्मनी के अतिवादी राष्ट्रवाद एवं हिटलर के उदय से द्वितीय-विश्व युद्ध अवश्यंभावी हो गया।

(v) साम्राज्यवादी भावना का विकास -

इटली, जर्मनी एवं जापान के पास सैनिक शक्ति तो थी पर विशाल साम्राज्य नही अतः उपनिवेश प्राप्ति हेतु होड़ लग ~~गयी~~ गयी।

(vi) मित्र राष्ट्रों फ्रांस, इंग्लैंड एवं रूस में आपसी मतभेद था। अतः हिटलर को बढ़ावा मिला।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

अन्य कारण

- राष्ट्रसंघ की दुर्बलता।
- अल्पसंख्यक जातियों में असंतोष।
- सैन्यवादी भावना का विकास।
- मित्र राष्ट्रों की तुष्टिकरण की नीति।
- विभिन्न गुटबंदियाँ।

तात्कालिक कारण -

सन् 1939 में हिटलर ने जब पोलैंड से डेजिंग बंदरगाह माँगा तो पोलैंड ने देने से इंकार कर दिया जिसके हिटलर ने 1 सितंबर 1939 को बिना युद्ध की घोषणा किये ही पोलैंड पर आक्रमण कर दिया। 3 सितंबर 1939 को इंग्लैंड और फ्रांस ने पोलैंड की रक्षा हेतु जर्मनी पर आक्रमण कर दिया और इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ हो गया।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि द्वितीय विश्व-युद्ध अनेक कारकों का संयुक्त परिणाम था एवं इसकी जड़ प्रथम विश्व युद्ध के बाद हुई वर्साय की संधि में थी।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार-

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 B

गुप्तकाल प्राचीन भारत के स्वर्ण के रूप में

श्री गुप्त द्वारा स्थापित गुप्तकाल अन्य कालों की अपेक्षा अधिक गौरवपूर्ण, श्रेष्ठ तथा ऐश्वर्यवान रहा। अतः गुप्तकाल प्राचीन भारतीय इतिहास का स्वर्णकाल कहा जाता है। इस तथ्य निम्नांकित बिंदुओं द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है -

(i) महान सम्राटों का काल :- श्री गुप्त द्वारा स्थापित गुप्त-काल को 'समुद्रगुप्त' ने अपनी दिग्विजय से चरमोत्कर्ष पर पहुँचाया। वहीं दूसरी ओर 'चंद्रगुप्त द्वितीय' ने न केवल शकों के अस्तित्व को समाप्त किया बल्कि भारत को पूर्ण राजनैतिक एकता प्रदान की।

(ii) राजनैतिक एकता का काल - मौर्य साम्राज्य के पतन के पश्चात छोटे - छोटे राज्यों में विभाजित भारत को गुप्त काल में ही राजनैतिक एकता प्राप्त हुई।

(iii) आदर्श शासन व्यवस्था का काल :- गुप्त शासन का आधार

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रजावत्सलता, प्रजा-हित एवं लोक कल्याणकारी भावना थी।

(iv) धार्मिक सहिष्णुता का काल :- यद्यपि गुप्त सम्राट वैष्णव धर्मावलंबी थे, किंतु उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता की नीति का पालन किया।

(v) आर्थिक संपन्नता का काल :- गुप्त काल में सोने के सिक्कों का चलन सिद्ध करता है कि देश की आर्थिक दशा अत्यंत उन्नत अवस्था में थी।

(vi) साहित्यिक उन्नति का काल :- कालिदास इस काल के महान संस्कृत साहित्यकार थे जिन्होंने अभिज्ञान शाकुंतलम् एवं मेघदूतम् सहित 07 ग्रंथों की रचना की। कालिदास के अलावा विष्णुशर्मा (पंचतंत्र), हरिषेण (प्रयाग-प्रशस्ति), विशाखादत्त (मुद्राराक्षस) आदि प्रमुख विद्वान इस काल में थे।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

(vii) कलाओं के विकास का काल :- वास्तुकला के अंतर्गत अनेक मंदिरों जैसे - देवगढ़ का दशावतार मंदिर, भितरगाँव मंदिर आदि का निर्माण हुआ साथ ही चित्रकला एवं मूर्तिकला का भी पूर्ण विकास हुआ।

(viii) वैज्ञानिक प्रगति का काल :- इस काल के प्रसिद्ध वैज्ञानिक आर्यभट्ट थे जिन्होंने चंद्रग्रहण एवं दशमलव प्रणाली का अविष्कार किया। इसी काल में वाराहमिहिर (ज्योतिष विज्ञानी) भी थे।

(ix) विदेशों में भारतीय संस्कृति के प्रसार का काल :- इस काल में जावा, सुमात्रा, मलाया बोर्नियो आदि देशों में भारतीय संस्कृति का प्रसार हुआ।

उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट है कि गुप्तकाल में भारत की चुतर्दिक उन्नति हुई अतः इस काल को स्वर्णकाल कहना न्यायसंगत है।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3. E

राजा भोज गौरवशाली व्यक्तित्व

परमार वंशीय शासक सिंधुराज के उत्तराधिकारी राजा भोज का समय 1000 ईस्वी से 1055 ईस्वी तक माना जाता है। राजा भोज के महान व्यक्तित्व एवं उपलब्धियों को निम्न बिंदुओं के अंतर्गत समझा जा सकता है –

राजनीतिक उपलब्धियाँ

राजा भोज का साम्राज्य मालवा, चित्तौड़, उँ बासवाड़ा, डूँगरपुर, खानदेश, कोंकण एवं गोदावरी घाटी के कुछ हिस्से तक विस्तृत था।

धार ~~प्रशस्ति~~ प्रशस्ति से ज्ञात होता है कि भोज ने त्रिपुरी के शासक गाँगेयदेव को पराजित किया था।

उसके राज्य काल के 11 (ग्यारह) अभिलेख उज्जैन, धार, ~~देवा~~ देपालपुर, मेहदीपुर आदि से प्राप्त हुए हैं।

Scanned with CamScanner

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

साहित्यिक उपलब्धियाँ

वह अपनी विद्वता के कारण कविराज की उपाधि से विख्यात था। उसकी रचनाएँ समरांगण सूत्रधार, सरस्वती कण्ठाभरण एवं आयुर्वेद सर्वस्व हैं।

आइने-अकबरी के अनुसार भोज की राजसभा में 500 विद्वान थे।

वास्तुकला:

भोपाल का बड़ा तालाब, भोजपुर का शिवमंदिर एवं धार में सरस्वती मंदिर का निर्माण राजा भोज ने ही करवाया था।

इस प्रकार स्पष्ट है कि राजा भोज को उसकी उपलब्धियों के आधार पर महान एवं गौरवशाली व्यक्तित्व निःसंदेह ही कहा जा सकता है।

Scanned with CamScanner